कोकून उत्पादन

drishtiias.com/hindi/printpdf/cocoon-production

प्रीलिम्स के लिये:

कोकून के बारे में

मेन्स के लिये:

केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा इसके
कार्य

चर्चा में क्यों?

कर्नाटक राज्य में कोकून उत्पादन के मलबरी डिज़ीज़ (Mulberry Disease) की चपेट में आने के बावजूद यह स्वदेशी रेशम की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये पर्याप्त मात्रा में समय पर उपलब्ध है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य में लीफ रोलर कीट (Leaf Roller Insect) ने कोकून उत्पादन को प्रभावित किया है।
- यह कीट शहतूत के पौधों के अंकुरित (Shoots) भाग को खा जाता है जिससे कोकून उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- इन सबके बावजूद जलवायु परिवर्तन और रोग नियंत्रक कीटनाशकों के उपयोग के चलते राज्य के कोकून बाज़ार में इसकी पर्याप्त मात्रा देखी गई है।
- रामनगरम जो कि राज्य का सबसे बड़ा कोकून बाज़ार है, में पिछले 3-4 महीनों के दौरान प्रतिदिन 25 से 30 टन कोकून का व्यापार हुआ।
- पिछले एक सप्ताह में कोकून व्यापार में 50 टन प्रतिदिन से भी अधिक की वृद्धि देखने को मिली जिसके परिणामस्वरूप कोकून की कीमत में कमी दर्ज की गई है।
- कोकून की कीमत कम होने तथा कच्चे रेशम की मांग बढ़ने के साथ-साथ COVID-19 के कारण चीन से रेशम आयात प्रभावित होने की वजह से स्वदेशी कच्चे रेशम का उत्पाद बढ़ने के आसार हैं।
- चीन से रेशम आयात न होने की वज़ह से स्वदेशी रेशम की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है।
- पिछले कुछ वर्षों में भारत में उत्पन्न रेशम की गुणवत्ता में भी वृद्धि देखने को मिली है, खासतौर पर बाइवोल्टाइन कोकून (Bivoltine Cocoon) के उत्पादन में। इसके चलते चीन से आयातित रेशम पर निर्भरता में कमी आई है।

- केंद्रीय रेशम बोर्ड (Central Silk Board-CSB) के अनुसार, भारत में वर्ष 2003-2004 के दौरान रेशम का कुल उत्पादन 15742 टन था जो वर्ष 2010-11 में बढ़कर 20410 टन तथा वर्ष 2018-19 में 35468 टन पर पहुँच गया।

केंद्रीय रेशम बोर्ड

- यह एक सांविधिक निकाय है जिसका गठन वर्ष 1948 में किया गया।
- यह भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है।
- इसके द्वारा कार्य देश में सेरीकल्चर एवं रेशम उद्योग के विकास के लिये किये जाने वाले प्रमुख कार्य निम्नलिखितहै-
    - अनुसंधान और विकास।
    - चार स्तरीय रेशम कीट बीज उत्पादन नेटवर्क का रखरखाव।
    - वाणिज्यिक रेशम कीट बीज उत्पादन में नेतृत्व की भूमिका प्रदान करना।
    - विभिन्न उत्पादन प्रक्रियाओं में गुणवत्ता मानकों को मानकीकृत और संस्थापित करना।
    - घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भारतीय रेशम को बढ़ावा देना तथा सेरीकल्चर और रेशम उद्योग से संबंधित सभी मामलों पर केंद्र सरकार को सलाह देना।

कोकून:

- यह रेशम के धागे का एक आवरण होता है।
- इसका निर्माण रेशम कीट द्वारा पूर्ण विकसित होने से पहले अपने लार्वा द्वारा किया जाता है।

स्रोत: द हिंदू